वैदिक संध्या प्रशिक्षण शिविर (26 नवम्बर सायंकाल से 01 दिसंबर प्रातःकाल तक), एवं दैनिक यज्ञ एवं प्रातःकालीन–सांयकालीन मन्त्र प्रशिक्षण शिविर (3 दिसंबर सांयकाल से 8 दिसंबर 2019 प्रातःकाल तक)

स्थान – वैदिक साधन आश्रम, तपोवन, नालापानी, देहरादून (उत्तराखण्ड)

वैदिक साधन आश्रम, तपोवन, नालापानी, देहरादून में वैदिक संध्या एवं वैदिक यज्ञ प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन उपरोक्त तिथियों में आचार्य आशीष जी दर्शनाचार्य के निर्देशन में होगा। वैदिक संध्या के यथार्थ स्वरुप व क्रियात्मक पक्ष को महर्षि दयानन्द सरस्वती जी कृत "पंचमहायज्ञविधि" के माध्यम से सूक्ष्मता से समझने व सीखने का अवसर इन शिविरों में उपलब्ध होगा। वैदिक संध्या के गूढ आध्यात्मिक पक्ष को महर्षि की मेधा प्रज्ञा से समझकर ही साधक–साधिकायें वर्तमान में प्रचलित संध्या के स्थूल स्वरुप से ऊपर उठकर संध्या की आध्यात्मिक गहराई में प्रविष्ठ हो आध्यात्मिक आह्लाद व स्वयं में रुपांतरण अनुभव कर सकेंगे। महर्षि दयानन्द सरस्वती जी कृत "पंचमहायज्ञविधि" ही वैदिक संध्या को समझने का एकमात्र प्रामाणिक अनुपम ग्रन्थ है। इस ग्रन्थ के माध्यम से संध्या को समझना अनेक साधक–साधिकाओं के लिए आश्चर्यजनक रुप से बहुत नवीन और लाभकारी हो सकेगा।

दैनिक यज्ञ में प्रयुक्त होने वाले मन्त्रों के अर्थों व क्रियाओं के आध्यात्मिक व वैज्ञानिक स्वरुप को समझकर यज्ञ करना आत्मजागरण में विशेष लाभकारी व सहायक होता है। दैनिक यज्ञ प्रशिक्षण शिविर में यज्ञ के आध्यात्मिक व वैज्ञानिक पक्ष को मन्त्रार्थों के अनुसार विस्तारपूर्वक हृदयङ्गम करने का विशिष्ट अवसर उपलब्ध होगा। आचार्य आशीष जी की जटिल विषयों को भी अत्यंत सरलता व रोचकता के साथ गहराई से स्पष्ट करने की योग्यता को देश–विदेश के हजारों साधक–साधिकाओं ने अनुभव किया व लाभ उठाया है। इन शिविरों के माध्यम से हम उनसे अधिकाधिक लाभ प्राप्त करें जिससे हमारे संध्या व हवन मात्र यांत्रिक न हों अपितु हमें आत्मजागरित करने वाले हो सकें।

इन शिविरों में साधक–साधिकायें प्रातः व सायंकालीन दिनचर्या व ध्यान–साधना व्यक्तिगत रुप से करेंगे। स्थानीय इच्छुक महानुभाव भी कक्षाओं में भाग ले सकते हैं। स्थानीय महानुभाव कक्षाओं के समय की जानकारी सम्पर्क सूत्र में उपलब्ध नम्बरों पर कर सकते हैं।

शिविर शुल्क – इस ईश्वरीय कार्य में प्रत्येक प्रतिभागी द्वारा यथासामर्थ्य स्वैच्छिक सहयोग देना अनिवार्य है।

साथ लाने योग्य अनिवार्य वस्तुयें – 1. पंचमहायज्ञविधि 2. दैनिक हवन मंत्रों की पुस्तक 3. कापी, पैन, टार्च, चाकू आदि। शिविर में कक्षाओं की किसी भी प्रकार की ऑडियो, वीडियो रिकार्डिंग निषिद्ध है।

शिविर में स्थान सीमित हैं।

स्थान आरक्षण हेतु निम्नलिखित महानुभावों से सम्पर्क करें।

1. श्री नन्दकिशोर जी, मो0–9310444170 (प्रातः 10 से सायं 4, रात्रि 8 से 10 बजे तक)
2. श्री प्रेम जी , मो0 8076873112 (प्रातः 10 से सायं 4.30 रात्रि 8 से 9.30 बजे तक

दर्शन कुमार अग्निहोत्री
(प्रधान)
9810033799

ई0 प्रेम प्रकाश शर्मा
(मंत्री)
9412051586